शहर के वाटसन स्कूल परिसर में किसान विकास सम्मेलन व मेगा एग्री एक्सपो का हुआ उद्घाटन

भूख से मुकाबला वैज्ञानिक तकनीक से ही

मधुबनी | नगर संवाददाता

भूख से मुकावला को करने के लिए कृषि में वैज्ञानिक तकनीक अपनानी होगी। कृषि योग्य भूमि का संकुचन हो रहा है। ऐसे में कम जमीन पर आधुनिक तकनीक से खेती कर बेहतर उत्पादन पा सकते हैं। ऐसे में मधुबनी की धरती पर कृषि का अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन होना अपने आप में ऐतिहासिक है। ये बातें पीएचईडी मंत्री विनोद नारायण झा ने वाटसन स्कूल परिसर में किसान विकास सम्मेलन व मेगा एग्री एक्सो के उदघाटन सत्र को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री ने कहा कि यहां के किसान एक्सपो के माध्यम से कृषि की नई तकनीक व वैज्ञानिकों की बातें सुनकर अपनी बेहतरी कर सकते हैं। कृषि को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार कृतसंकल्पित है। ऐसे में दूसरी हरित क्रांति की शुरुआत पूर्वी भारत से होगी। इसमें कृषि विज्ञान केन्द्र की महत्वपूर्ण भूमिका है। सांसद हुक्मदेव नारायण यादव ने कहा कि मधुबनी में दूसरी बार अंतराष्ट्रीय कृषि सेमिनार हो रहा है। 2003 में सात दिवसीय सेमिनार हुआ था। 2019 में यह सम्मेलन मधुबनी में हो रहा है। इसमें देश विदेश के कृषि के जानकार अपनी बातों से अवगत कराएंगे। लगातार हो रही तरक्की के कारण कृषि की भूमि कम हो रही है। ऐसे में प्राचीन कृषि तकनीक में आधुनिक तकनीक अपनाकर किसान अपना उत्पादन बढ़ा सकते हैं। सरकार देश के करीब 22 हजार हाटों का उत्थान होगा। इसमें मार्डन मार्केट से जोड़ा जाएगा। इसके लिए सर्वे शुरू हो चुका है। जहां किसान अपना उत्पाद बेच सकता है।

कार्यक्रम में किसान इंटरनेशनल पत्रिका का अतिथियों ने विमोचन किया। धन्यवाद ज्ञापन कृषि पदाधिकारी सुधीर कुमार ने किया। नियाम के डायरेक्टर जनरल डॉ. पी चंद्रशेखर ने कहा कि इस तरह का एक्सपो मधुबनी में होना गौरव की बात है। किसान इस एक्सपो के माध्यम से नई तकनीक व रिसर्च कर अधिक उत्पादन कर सकते हैं। मार्केटिंग एवं प्रोसेसिंग पर ध्यान देना होगा। अफगानिस्तान के राजदूत जियाउल हक ने कहा कि वहां भी कृषि के क्षेत्र में बेहतर काम कर रही है। वहां हाई वैल्यू क्रॉप का अधिक उत्पादन होता है। उदघाटन सत्र को संबोधित करने वालों में संतोष दूबे, एलएनएमयू के कुलपति डॉ. एस के सिंह आदि ने कहा कि मधुबनी का अंतरराष्ट्रीय कृषि सेमिनार होना गर्व की बात है। यहां पर लगे स्टॉल पर कृषि के नवाचार की जानकारी मिलेगी।

एसके एडुकेशनल ट्रस्ट के डॉ. संत कुमार चौधरी ने कहा सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि कृषि विज्ञान केन्द्र बसैठ चानपुरा अपना सिल्वर जुबली मना रहा है। इस समारोह पर किसान इंटरनेशनल पत्रिका के स्पेशल अंक का भी विमोचन किया गया। इस तीन दिवसीय किसान विकास सम्मेलन व मेगा एग्री एक्सो में तीन दिनों तक विविध कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। इसमें किसान, पत्रकार, संगीत, कला आदि के क्षेत्र में वेहतर करने वालों को नवाजा जाएगा। मंच संचालन डॉ. मंगलानंद झा, डॉ. राहुल चौधरी, शिवकुमार जी एवं रमेश झा ने संयुक्त रूप से किया। कार्यक्रम में विधायक विधायक डॉ. फैयाज अहमद, समीर कुमार महासेठ, एसपी दीपक वरनवाल, डीएओ सुधीर कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष घनश्याम ठाकुर, कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो. शीतलांबर झा, मनोज चौधरी, नवेन्दु झा, सतीश चंद्र मिश्र, शंकर झा, बेची झा सहित सैकड़ों की उपस्थिति थी।

वाटसन स्कूल में किसान विकास सम्मेलन व मेगा एग्री एक्सपो का उद्घाटन करते पीएचईडी मंत्री विनोद नारायण झा व अन्य।

झंझारपुर में खुलेगा कृषि विज्ञान केन्द्र

डीएम शीर्षत कपिल अशोक ने कहा कि मधुबनी में होने वाले अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में किसानों को कई नवीनतम जानकारी मिलेगी। कई तरह के स्टॉल लगाए गये हैं। झंझारपुर में दूसरा कृषि विज्ञान केन्द्र खुलेगा। ताकि किसानों को कृषि की नई तकनीक व रिसर्च की जानकारी मिल सके। कृषि सम्मान योजना से एक सप्ताह में किसानों के खाते में पहली किस्त के 2 हजार रुपये भेजे जाएंगे। हाल के दिनों में जिले के 18 सूखाग्रस्त प्रखंड क्षेत्र के किसानों के खाते में करीब 80 करोड़ की राशि ट्रांसफर कर दी गई है।

दिनभर स्टॉलों में उमड़ी रही भीड़

वाटसन स्कूल परिसर में किसान विकास सम्मेलन व मेगा एग्री एक्सो में दिनभर किसानों की भीड़ उमड़ी रही। एक्सपो में करीब 100 स्टॉल लगाए गये है। सभी स्टॉल पर कृषि की नई तकनीक की जानकारी मिलेगी। प्रदर्शनी में लदनिया के प्रगतिशील किसान विष्णुदेव भंडारी की मूली चर्चा का विषय रहा। इसके अलावा कई तरह के कृषि यंत्र एक्सपो की शोभा बढ़ा रहा था। स्टॉल पर उपलब्ध जानकार किसानों को खेती की नई व सुलभ तकनीक की जानकारी दे रहे थे।

कार्यक्रम • एसके एडुकेशनल ट्रस्ट कृषि विज्ञान केंद्र बसैठ चॉनपुरा ने अंतरराष्ट्रीय कृषि विकास सम्मेलन का आयोजन किया

सूबे में कृषि आधारित उद्योगों को दें बढ़ावा, किसानों को दी जानी चाहिए तकनीकी जानकारी : वीसी मिश्रा

इससे पहले कृषि मेला का यह आयोजन 2003 में किया गया था, आए थे हजारों किसान

भास्कर न्यूज|मधुबनी

रविवार को वाट्सन हाई स्कूल के मैदान में एसके एडुकेशनल ट्रस्ट कृषि विज्ञान केंद्र बसैठ चॉनपुरा ने अन्तरराष्ट्रीय कृषि विकास सम्मेलन की शुरुआत की गई। सरस्वती वंदना के साथ अतिथियों का स्वागत किया गया। सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि के कुलपति प्रो. प्रफुल्ल कुमार मिश्रा, एलएनएमयू के कुलपति डॉ. एसपी सिंह, अफगानिस्तान के राजदूत जियाउल हक, पीएचईडी मंत्री विनोद नारायण झा, सांसद हुक्मदेव यादव, डायरेक्टर जेनेरल एनआइएएम जयपुर के डॉ. पी. चंद्रशेखर, एलएनएमयू के सिंडिकेट मेंबर वैद्यनाथ चौधरी, डीएम शीर्षत कपिल अशोक व एसके एडुकेशनल ट्रस्ट के अध्यक्ष संत कुमार चौधरी सहित कई अन्य मौजूद रहे। कृषि विवि वीसी प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि समय आ गया है कि अब किसानों को अनिवार्य रूप से प्रशिक्षण दिया जाए। प्रशिक्षण के बाद ही वे कृषि के आधुनिक संसाधनों व पद्धतियों का उपयोग कर अपने उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। यहां कृषि आधारित उद्योग का भी अभाव है। बिहार के किसानों को कृषि की तकनीक के बारे में समुचित जानकारी नहीं है। तकनीक की जानकारी के अभाव के कारण इसका प्रभाव उत्पादन पर पड़ता है। कृषि कार्य में प्रयुक्त किए जाने वाले रासायनिकों के प्रयोग से विभिन्न प्रकार के लाइलाज बीमारी के चपेट में लोग आ रहे हैं, इससे हमें बचना चाहिए। ऑर्गेनिक कृषि को बढ़ावा दिया जाना चाहिए।

सम्मेलन का उद्घाटन सरस्वती वंदना के साथ हुआ, साथ ही अतिथियों का किया स्वागत

तीन दिवसीय कृषि मेला में किसानों को मिली आधुनिक प्राविधि की जानकारी

बीमारियों से बचने के लिए ऑर्गेनिक कृषि को बढ़ावा देने पर जोर देने को कहा

कृषि के नवाचारों की मिलती जानकारी

डॉ. एसपी सिंह इस प्रकार के आयोजन से कृषि के नवाचारों से लोगों का परिचय होता है। उन्हें कृषि के आधुनिक संसाधनों को देखने का मौका मिलता है। पहले इस प्रकार के कार्यक्रम महानगरों में आयोजित किया जाता था। मधुबनी में इस प्रकार के आयोजन से ग्रामीण क्षेत्र के किसानों को अधिक लाभ मिलना चाहिए। विशेषज्ञों से मिली जानकारी के अनुरूप कृषि कर वे अपने उत्पादन को बढ़ा सकते हैं। वहीं आने वाले दिनों में भी ऐसे कार्यक्रम का लाभ जमीनी स्तर पर देखने को मिलेगा।

कार्यक्रम में आए कई देशों के छात्रों के साथ अतिथि।

भारत-अफगानिस्तान करता रहा है आदान-प्रदान

हक भारत और अफगानिस्तान अपने कृषि के संसाधनों का आदान-प्रदान करता रहा है। अफगानिस्तान में की जाने वाली कृषि भारतीय कृषि के अनुरूप ही होती है। यहां के फल, मसाला सहित अन्य प्रकार के कृषि उत्पादों का अफगानिस्तान में भी उत्पादन होता है। वहीं अफगानिस्तान की आर्थिक व्यवस्था में भारतीय कृषि का भी अहम योगदान देना चाहिए। इसके अलावा भी विदेशों में किसानों को भेज कर अच्छी तकनीकों के बारे में जानकारी समय-समय पर दी जाती है।

कृषि उत्पादों को मिले उचित बाजार

डॉ चंद्रशेखर इस आयोजन से क्षेत्र के किसानों को बहुत लाभ मिलेगा। हमारी कृषि परिवर्तन के बहुत नजदीक है। कृषि को उद्योग और प्रत्येक किसानों को उद्यमी बनाए जाने का प्रयास किया जाना चाहिए। वहीं यहां के किसानों के उत्पादन को उचित बाजार दिए जाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारी की जा रही है। शीघ्र ही सभी किसानों को अपने उत्पादन का उचित बाजार मिलना शुरू हो जाएगा। इसके लिए सरकार भी अपने स्तर पर निरंतर प्रयास कर रही है। जिसका परिणाम जल्द ही क्षेत्र में देखने को मिलेगा।

ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए

बिनोद नारायण झा जीवन का महत्वपूर्ण घटक कृषि है। जिस गति से देश की आबादी बढ़ रही है कृषि के पारंपरिक तरीके से लोगों को भोजन मिलना मुश्किल है। आजादी के समय में हमारे देश की आबादी कम होने के बजाय भी भुखमरी थी, पर आज इतनी आबादी होने के बाबजूद भी हमारा देश अन्न के मामले में आत्म निर्भर ही नहीं अपितु आज हम विदेशों में भी अनाज का निर्यात होता है। वहीं अनाज के लिए दुनिया के कई देश पूरी तरह से भारत पर आत्मनिर्भर है। इसके बचाव के लिए ऑर्गेनिक खेती को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। दुनिया के दूसरी हरित क्रांति का आगाज पूर्वी भारत से होगा और उसमें बिहार का अहम योगदान रहेगा। खासकर मिथिलांचल और मधुबनी इसमे अग्रणी भूमिका का निर्वहन करेगा।

व्यावसायिक कृषि को अपनाएं

सांसद पारंपरिक कृषि को छोड़कर व्यवसायिक कृषि को बढ़ावा दिया जाना चाहिए। इससे किसान आय के मामले में आत्मनिर्भर हो सकेंगे। सरकार से विभिन्न प्रकार के कृषि पर आयोजित योजनाओ को चलाया जा रहा है। किसानों को इन योजनानाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की बात बतलाई। साथ ही किसी भी परिस्थिति में कृषि के आधुनिक संसाधन का उपयोग कर खेती करने चाहिए। इस प्रकार की खेती करने से किसानों की आय में इजाफा होगा और उनकी आर्थिक स्थिति बेहतर होती जाएगी।

राष्ट्रीय सहारा | www.rashtriyasahara.com |

उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना का शुभारंभ किया है। इस योजना का मुख्य उद्देश्य है कि फसल के स्वास्थ्य एवं उचित उपज के लिए किसान को विभिन्न उपादान क्रय करने में वित्तीय मदद करने का है। —— एक रिपोर्ट

मानव जीवन में अन्न की विशिष्ट भूमिका है और भारत अन्न उत्पादन में विश्व स्तर पर सबसे प्रबल : विनोद नारायण

मंत्री ने किया अंतर्राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन का शुभारंभ

सांसद को पाग [illegible] मिलने पर सम्मानित करते संस्था के लोग।

किसान पत्रिका का विमोचन करते मंत्री व अन्य।

सांसद हुकुमदेव नारायण यादव।

पीएचईडी मंत्री विनोद नारायण झा।

आयोजक डॉ संत कुमार चौधरी।

संबोधित करते [illegible]।

■ मोहन झा

मधुबनी।

जिला मुख्यालय स्थित वाट्सन उच्च विद्यालय परिसर में एसके चौधरी एजुकेशनल ट्रस्ट द्वारा आयोजित तीन दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन के प्रथम सत्र का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर प्रदेश के पीएचईडी मंत्री विनोद नारायण झा ने रविवार को किया। सम्मेलन में उपस्थित किसानों कृषक वैज्ञानिक एवं अंतर्राष्ट्रीय कृषि विद्वानों को संबोधित करते हुये प्रदेश के मंत्री विनोद नारायण झा ने कहा कि मानव जीवन में अन्न की विशिष्ट भूमिका है। आजादी के बाद भारत अकाल के संकट से गुजर रहा था। देश के निर्माण ने कृषि की ओर विशेष ध्यान दिया। देश में हरित क्रांति का संचालन हुआ।

श्री झा ने कहा कि इसके फलस्वरूप कृषि उत्पादन में अभूतपूर्व तरक्की हुआ है। आज भारत विश्व में दूसरे देशों को भी अनाज देता है। यह देश के किसानों के वैज्ञानिक पद्धति से खेती का परिणाम है। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन की अध्यक्षता मधुबनी के सांसद हुकुमदेव नारायण यादव ने किया। ने अपने संबोधन में कहा कि नई कृषि तकनीक एवं ज्ञान से कृषि उत्पादन में काफी सफलता मिली है। मिथिला इस मामले में अग्रणीय है। यहाँ प्राचीन कृषि वैज्ञानिक इस धरती के थे। उनके विचार आधुनिक कृषि जगत में प्रासंगिक है। किसान देश के अन्नदाता एवं निर्माणकर्ता है। उनका प्रयास सराहनीय है। अंतर्राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन के संबंध में एसके चौधरी शिक्षा न्यास के अध्यक्ष डॉ संत कुमार चौधरी ने अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन के संबंध में विस्तार से चर्चा की। और उपस्थित लोगों को इस सम्मेलन से लाभ उठाने की बात कही।

डॉ संत कुमार चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि मिथिला प्राचीन युग से कृषि पर आधारित रहा है। इस कार्यक्रम में 17 देशों के प्रतिनिधि एवं चार देशों के राजदूत भाग ले रहे हैं। यह संस्था का 25वें वर्ष में प्रवेश कर रही है। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसानों की भागीदारी से संत कुमार ने उपलब्धि को साझा किया है। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी शीर्षत कपिल अशोक ने भी जिले के कृषि से संबंधित जानकारी विस्तार से दिया। एसके चौधरी एजुकेशनल ट्रस्ट तथा कृषि विज्ञान केन्द्र चौधरी मधुबनी के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन आयोजित करने पर संत कुमार को धन्यवाद दिया। मिथिला रीति रिवाज के अनुसार अतिथियों को पाग दोपटा से सम्मानित किया गया। वहीं मधुबनी के सांसद हुकुमदेव नारायण यादव को पाग [illegible] से सम्मानित होने पर इन्हें संस्था की ओर से विशेष सम्मान किया गया। अंतर्राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन का दूसरा सत्र रविवार के ही देर शाम प्रारंभ किया। उद्घाटन केन्द्रीय मंत्री [illegible] द्वारा किया जायेगा। वहीं कार्यक्रम में कृषि मंत्री प्रेम कुमार उपस्थित होंगे।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

खुली निविदा सूचना- [illegible] [illegible]